# जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
## सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

**प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल**  
**सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी**

**क्रमांक 171**  
**दिनांक 19.10.2022**

# छात्र–छात्राएं साइबर क्राइम के प्रति आम जनमानस भी फैलायें जागरूकता– डॉ. पी. बी. शर्मा

## जनेकृविवि में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

**जबलपुर 19 अक्टूबर।** जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन की सद्प्रेरणा से, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग द्वारा **साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी. बी शर्मा ने कहा कि आज साइबर क्राइम दिन व दिन बढ़ता जा रहा है। विद्यार्थियों ही नहीं बल्कि सभी को इसके प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। साथ ही छात्र–छात्राएं साइबर क्राइम के प्रति अपने लोगों में भी अवेयरनेस फैलायें, जिससे कोई भी किसी भी प्रकार के साइबर फ्रॉड का शिकार न हो सके। उन्होंने अधारताल थाने की पुलिस और साइबर सेल की टीम को भी धन्यवाद दिया। और कहा कि समय–समय पर ऐसे अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित होते रहने से साइबर क्राइम के ग्राफ में कमी आयेगी।

साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला में उपस्थित अधारताल थाने के सब इंसपेक्टर श्री अनिल कुमार और श्री महेन्द्र जयसवाल ने भी साइबर क्राइम को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने छात्र–छात्राओं में जागरूकता लाने के उद्येश्य से कहा कि किसी भी प्रकार के नये नम्बर से फोन कॉल, एसएमएस या अन्य किसी माध्यम से ओटीपी, यूपीआई, एटीएम पिन किसी के साथ शेयर ना करें। इसके अलावा एसएमएस, व्हाट्सएप पर आये किसी भी लिंक को क्लिक न करें। ध्यान रहे कि पैसे कभी रिसीव नहीं किये जाते जब कोई हमें पैसे ई–वालेट के माध्यम से या अन्य किसी माध्यम से भेजता है तो अपने आप हमारे खाते में रकम आ जाती है। केवल बैंक द्वारा जमा राशि का संदेश ही आता है। किसी के भी कहने पर रिमोट एक्सेस एप जैसे क्विक सपोर्ट, एनी डिस्क, टीम विवर आदि को प्ले स्टोर या अन्य साइटो से डाउनलोड न करें। अगर एटीएम के अंदर कोई अनजान व्यक्ति है तो आप उस एटीएम के इस्तेमाल से बचे। ऐसी अन्य महत्वपूर्ण जानकारी उन्होंने दी। कार्यशाला में साइबर सेल टीम से श्री सौरभ शुक्ला ने भी पॉवर प्रजेन्टेशन के माध्यम से इलेक्ट्रिक सिटी बिल फ्रॉड, साइबर बुलिंग, कार्ड क्लोनिंग, क्यूआर कोड सहित अन्य के माध्यम से कैसे लोग साइबर क्राइम के शिकार होते हैं। ऐसे साइबर क्राइम से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये बताया कि साइबर स्पेस, सोशल मीडिया और बच्चों के ऑनलाइन यौन शोषण एवं साइबर क्राइम के बारे साइबर जागरूकता का प्रसार करना है। यह अभियान कम्प्यूटर की दुनिया के तकनीकी और कानूनी खबरों के बारे में छात्र–छात्राओं को जागरूक बनायेगा। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. अमित झा ने किया। कार्यशाला में अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. पी.बी. शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, विभागाध्यक्ष पौधरोग विभाग डॉ. जयंत भट्ट, डिप्टी रजिस्टार डॉ. आर.के. समैया, अधारताल थाने के सब इंसपेक्टर श्री अनिल कुमार, श्री महेन्द्र जयसवाल, साइबर सेल टीम के श्री सौरभ शुक्ला, एनसीसी कैडेट प्रभारी डॉ. रजनी शर्मा सहित सभी विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक,कर्मचारी एवं एनसीसीसी कैडेट की छात्राएं कु. आकांक्षा सिंह, कु.शैलजा श्रीवास्तव, कु. नंदनी चौहान सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्राओं की उपस्थिति रही।